वर्ष 2010–2011 की प्रमुख उपलब्धियां

1. आयोजना व्यय प्रतिशत :

वर्ष 2009–10 की आयोजना बी.ई. रू 60500.01 लाख थी जो वर्ष 2010–11 में रू 95015..08 लाख स्वीकृत हुई है; जो गत वर्ष की तुलना में 34515.07 लाख रूपये अधिक है। माह दिसम्बर 2010 तक आयोजना व्यय राशि रुपये 88250.83 लाख हो चुका है ।

2. मदरसा सुदृढीकरण योजना :

राजीव गांधी स्वर्ण जयन्ती पाठशालाओं की तर्ज पर वर्ष 2010–11 में मदरसों में कार्यरत पैरा टीचर्स के मानदेय हेतु 1680.06 लाख रूपये प्रावधित हैं। मदरसा शिक्षा के विकास, आधुनिकीकरण एव सुदृढ़ीकरण हेतु गठित राजस्थान मदरसा बोर्ड के प्रशासनिक कार्य संचालन के लिए वर्ष 2010–11 में 50.00 लाख रू की राशि का प्रावधान है। माह दिसम्बर–2010 तक मदरसा बोर्ड के पी.डी खाते में राज्य सरकार द्वारा 550.06 लाख राशि स्थानान्तरण कर दी गई है।

3. निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजनाः–

प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के लक्ष्य को शीघ्रातिशीघ्र प्राप्त करने की दृष्टि से नामांकन एवं ठहराव में वृद्धि करने के लिए राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 में अध्ययनरत समस्त बालक एवं बालिकाओं एवं माध्यमिक विधालय एवं सीनियर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों एवं डीपीईपी,एसएसए, वैकल्पिक विद्यालयों, नवाचारी शिक्षा केन्द्रों तथा मदरसा बोर्ड में पंजीकृत मदरसों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती है। योजनान्तर्गत वर्ष 2010–11 में 40.09 करोड रु. मूल्य की 3.02 करोड पाठ्य पुस्तके निःशुल्क वितरित की जा चुकी है जिसमें से 5.82 करोड रु. का भुगतान एस.एस.ए. द्वारा किया गया है।

4. विद्यार्थी सुरक्षा दुर्घटना बीमा योजनाः–

उक्त योजनान्तर्गत राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों हेतु लागू बीमा योजना का वर्ष 2010–11 का नवीनीकरण दिनांकः 14.11.10 से 13.11.11 तक के लिए राशि 75.00 लाख रु. स्वीकृत की गई। जिसका भुगतान निदेशक, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, जयपुर को किया जा चुका है।

5. छात्रवृति :–

प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2009–10 में व्यय तथा लाभान्वित तथा वर्ष 2010–11 में विभिन्न छात्रवृति योजनान्तर्गत संबंधित पात्र छात्र–छात्राओं को छात्रवृति राशि के भुगतान बाबत निम्नानुसार राशि का आवंटन किया जा चुका है।

विभिन्न प्रकार की छात्रवृति

क्र. सं.	छात्रवृत्ति	लाभान्वित वर्ग	स्तर	राशि दर (शैक्षणिक वर्ष में कुल 10 माह हेतु)	विशेष विवरण
1	प्री–मैट्रिक	1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति	कक्षा 6–8	छात्र 15 रु. प्र.मा छात्रा 75 रु. प्र.मा.	
		2. घुमन्तु, विमुक्त एवं सीमान्त क्षेत्र अन्य पिछडा वर्ग		छात्र 15 रू. प्र.मा. छात्रा 20 रू. प्र.मा.	
2	अस्वच्छ छात्रवृत्ति (प्री–मैट्रिक)	अस्वच्छ कार्यों मे लगे परिवार के लोगो के बच्चों को देय छात्रवृत्ति	कक्षा 1–8	(हॉस्टलर) कक्षा 3–8 तक को देय– 700 रु. प्र.मा. (डेस्कालर) कक्षा 1–8 तक को देय– 110 रु. प्र.मा.	एक मुश्त अनुदान 1000/– रू. 750/– रू

3	अल्प संख्यक छात्रवृत्ति (प्री–मैट्रिक) नोडल– माध्यमिक शिक्षा विभाग	अल्प संख्यक समुदाय	कक्षा 1–10	1. कक्षा 6–10 **(प्रवेश शुल्क)**	500रू वार्षिक या वास्तविक जो कम हो	
				2. कक्षा 6–10 **(शिक्षण शुल्क)**	350रू प्रतिमाह या वास्तविक जो कम हो	
				3. कक्षा 6 से 10 **(रखरखाव भत्ता–हॉस्टलर)**	600 रू. प्र.मा. या वास्तविक जो कम हो	
				4. कक्षा 1–10 **(रखरखाव भत्ता–डेस्कॉलर)**	100रू प्रतिमाह	
4	उत्तर मैट्रिक छात्रवृति (डाईटस में)	डाइट में अध्ययनरत अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्र	बी.एस.टी.सी	हॉस्टलर– 235 / प्रतिमाह डेस्कालर– 140 / प्रतिमाह (शैक्षणिक वर्ष में 10 माह हेतु)		

6. प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

6–14 आयुवर्ग के सभी बालक– बालिकाओं की नियमित उपस्थिति के संकल्प के साथ विद्यालय जाने योग्य सभी बालक–बालिकाओं को विद्यालय में प्रवेश दिलाने, विद्यालय को समाज से जोडने तथा विद्यालय संचालन में स्थानीय समुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए चालू वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया 27 अप्रेल .2010 से प्रारंभ की गई एवं प्रवेशोत्सव प्रथम चरण में 1 मई 2010 से 15 मई 2010 तथा द्वितीय चरण में 1 जुलाई 2010 से 16 जुलाई 2010 तक कार्यक्रम आयोजित किया गया एवं अनामांकित बालक –बालिकाओं को विद्यालय से जोडा गया ।

7. कक्षा 8 की वार्षिक परीक्षा का आयोजन

हिन्दी माध्यम के विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 8 के विद्यार्थियों की वर्ष 2010 की वार्षिक परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर संबंधित जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समिति के माध्यम से आयोहिजत करवाई गई। इस परीक्षा में 585062 नियमित (राजकीय विद्यालय) 533373 नियमित (अराजकीय विद्यालय) एवं 23628 स्वयंपाठी कुल 1142063 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा का औसत परीक्षा परिणाम 71.29 प्रतिशत रहा।

8. शिक्षक पुरस्कार

इस वर्ष पूरे प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा से 26 प्रस्ताव प्राप्त हुए जो निदेशक माध्यमिक शिक्षा को भिजवा दिये गये जिनमे से 23 शिक्षकों का राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान के लिए चयन हुआ जिन्हे 5 सितम्बर 2010 को शिक्षक दिवस के दिन सम्मानित किया गया।

9. <u>डाइट्स मे सेवा पूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण :</u>

राज्य में संचालित 30 डाईटस में सेवा पूर्व शिक्षक प्रशिक्षण पाठयक्रम एसटीसी (डी. एड) वर्ष 2003–2004 से अनवरत चल रहा है वर्तमान में राज्य में 32 डाइटस 1 राजकीय प्रशिक्षण विद्यालय, 15 निजी संस्कृत प्रशिक्षण विद्यालय तथा 218 सामान्य निजी एसटीसी विद्यालय संचालित है। हनुमानगढ़ एवं सवाईमाधोपुर जिले की डाईट हेतु एसटीसी (डी.एड) की 50 सीटें आवंटन करने हेतु एनसीटीई से मान्यता ली जा रही है। राज्य के नये जिले प्रतापगढ़ में डाईट खोलने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। डाईटस में सेवारत अध्यापकों के अनवरत प्रशिक्षण कार्यक्रम सचालित किये जाते है इसके अलावा क्रियात्मक अनुसंधान, जिलास्तर पर एक शोध एवं डर्फ माध्यम से लघु शोध कार्य संपादित किये जाते है डाईट स्तर पर अध्यापकों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण एवं अंग्रेजी प्रशिक्षण लिंगवा लेब द्वारा दिया जा रहा है। एसआईईआरटी, उदयपुर नोडल संस्थान के रूप में

कार्य कर रही है। इसके अतिरिक्त NUEPA, नई दिल्ली, एचसीएम, जयपुर एचसीएम, बीकानेर, रिपा जयपुर, आरआईई अजमेर, सीसीआरटी नई दिल्ली, एनसीईआरटी के द्वारा समय समय पर चयनित अध्यापकों/ संस्था प्रधानों एवं अधिकारियों के प्रशिक्षण कराये जाते है।

10. भामाशाह सम्मान समारोह :–

विभाग द्वारा वर्ष 1991 में भामाशाह योजना का सूत्रपात किया गया, जिसका उद्देश्य छोटे दानदाताओं से लेकर बडे दानदाताओं को अभिप्रेरित कर शाला के शैक्षिक, सहशैक्षिक एवं भौतिक विकास के लिये योगदान प्राप्त करना तथा उन्हे शाला के विकास से अपनत्व एवं भावात्मक जुडाव का अहसास कराना है। वर्ष 2010 में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में राज्य के 41 भामाशाहों एवं 10 प्रेरकों को सम्मानित किया गया है, जिससे विभाग को कुल राशि 518.89 लाख रू. का सहयोग प्राप्त हुआ है।

11. नामांकन :

प्रारम्भिक शिक्षा के अन्तर्गत वर्तमान में संचालित 8 पूर्व प्राथमिक (7 राज.+1 गैर. राज.) विद्यालयों, 49853 प्राथमिक (45488 राज.+ 4365 गैर.राज.) विद्यालयों एवं 51955 उच्च प्राथमिक (26905 राज.+25050 गैर.राज.) विद्यालयों में 6–11 आयु वर्ग के 90.54 लाख एवं 11–14 आयु वर्ग के 32.98 लाख छात्र–छात्राओं को नामांकित कर शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। उक्त नामांकन में समस्त प्रकार के राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियो को शामिल किया गया है।

12. इंस्पायर अवार्ड

प्रदेश के मण्डलों से प्राप्त सूचनानुसार प्रत्येक मंडल से प्रथम एवं द्वितीय चरण की इंस्पायर अवार्ड के प्रस्ताव प्राप्त हुए जो नोडल अधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को भिजवाए गएः–

क्र.सं.	मंडल का नाम	प्राप्त प्रस्ताव	विशेष विवरण
1.	उदयपुर	764	
2.	बीकानेर चूरू मंडल	1241	
3.	जोधपुर	1505	
4.	अजमेर	1341	
5.	भरतपुर	843	
6.	कोटा	567	
7.	जयपुर	1959	
महायोग		8224	

उक्त प्राप्त प्रस्तावों को निदेशालय माध्यमिक शिक्षा को प्रेषित किये गये। इसके साथ हैं अन्य सीधे प्राप्त प्रस्तावों को भी निदेशालय माध्यमिक शिक्षा को भिजवाये गये।